रग उत्सव 2025 बाय जयपुर रग्सः जहाँ लग्जरी मिलती है विरासत से और हर धागा बदलता है एक जीवन

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर शिल्प और सामाजिक उद्यमिता का प्रतीक बन चुका जयपुर रग्स अपने रग उत्सव को लेकर आ रहा है, यह क्रिएटिविटी, कल्चर और इम्पैक्ट का भव्य उत्सव है, जिसकी शुरूआत 3 सितम्बर से हो रही है। इस साल का एडिशन अब तक के सभी आयोजनों से अलग है, जिसमें 14,000 से अधिक हैंडमेड रग्स का अद्भुत संग्रह शामिल है, जो भारत की बुनाई परंपराओं की आत्मा को आज की डिजाइन के साथ खूबसूरती से जोड़ता है। जयपुर रग्स के डायरेक्टर योगेश चौधरी ने कहा रग उत्सव केवल डिजाइन शोकेस नहीं है, यह गरिमा, विरासत और उद्देश्य की बात है। इन शानदार कृतियों को बेहतरीन कीमतों पर पेश करके हम न केवल कला को दुनिया भर के घरों तक पहुँचा रहे हैं, बल्कि उन कारीगरों को भी सीधे सहारा दे रहे हैं जो इन्हें बनाते हैं। इस वर्ष का क्यूरेशन आलम, जेनेसिस, सवाना, कॉन्कॉक्शन, दा हास, वुंडरकैमर, कलीएडो, क्लैन, बेसिस, लाकुना, एर्बे, इंडसबार, नोमैडिक थ्रेड्स, अकार, और कॉन्टूर जैसी सिग्नेचर कलेक्शंस को प्रस्तुत करता है। संग्रहकर्ताओं के लिए, रग उत्सव 2025 दुर्लभ अवसर लेकर आया हैः 2,000 विंटेज रग्स (30 50 साल पुराने) और 250 एंटीक रग्स (100 साल से अधिक पुराने)। यह इसे अपने तरह का सबसे बड़ा रग प्रदर्शनी बनाता है।

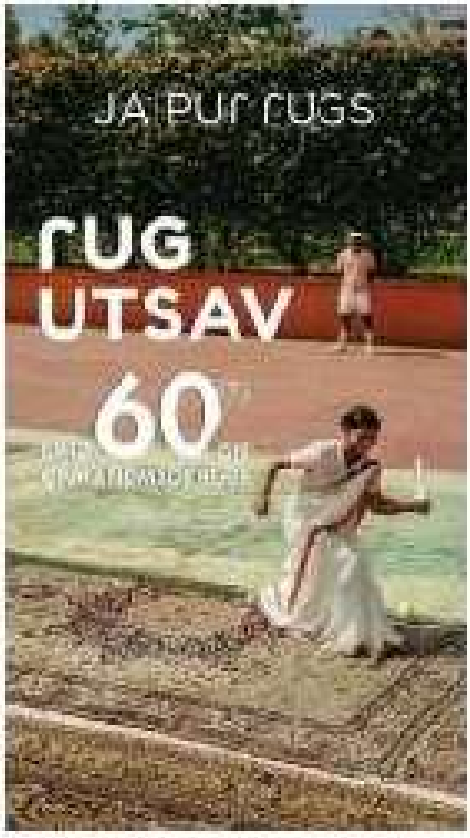

फिजिक्सवाला लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल